बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार
स्थापना वर्ष 2009
25
मई 2023
twitter.com/psamachar1 | facebook.com/peoplessamachar1 | whatsapp 9644644460 | instagram.com/peoplessamachar1 | www.peoplessamachar.in

प्रदेश के बच्चे अब स्कूलों में पढ़ेंगे 'आनंद' का पाठ

नए शिक्षा सत्र के लिए पाठ्यक्रम-पुस्तकें तैयार

पीपुल्स ब्यूरो ● भोपाल
मो.नं. 9425144091

प्रदेश में जुलाई से शुरू होने वाले नए शिक्षा सत्र से स्कूली बच्चे 'आनंद' का पाठ भी पढ़ेंगे। इस विषय को पाठ्यक्रम के तौर पर स्कूली शिक्षा से जोड़ने वाला मप्र पहला राज्य है। इस नवाचार के लिए शुरुआती तौर पर 274 सीएम राइज और 46 एक्सीलेंस स्कूलों का चयन किया गया है। 9 से 12वीं कक्षा तक के बच्चों को स्वयं से परिचय और परिवार, समाज व प्रकृति के साथ सामंजस्य के टिप्स समझाए जाएंगे। राज्य आनंद संस्थान और स्कूली शिक्षा विभाग ने चारों कक्षा का नया पाठ्यक्रम डिजाइन करने के साथ ही करीब 700 टीचर्स को ट्रेनिंग भी दे दी है। पाठ्य पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। बच्चे अब हर शनिवार को डेढ़ घंटे इस नए पाठ्यक्रम के जरिए अपने आपको जानने की कोशिश के साथ ही परिवार, समाज और प्रकृति के साथ कैसे निर्वाह करना है यह पाठ भी पढ़ेंगे। नवमीं से बारहवीं तक के बच्चों की अलग-अलग पुस्तकें और अभ्यास पुस्तिकाएं प्रकाशित कराई गई हैं।

मूल्यांकन का हिस्सा नहीं

प्रदेश में राज्य आनंद संस्थान पिछले 6 साल से इस हैप्पीनेस को लेकर कई स्तरों पर गतिविधियां संचालित कर रहा है। यह पहला मौका है जब स्कूली बच्चे भी इसे पाठ्यक्रम के बतौर पढ़ेंगे। पाठ्यक्रम को डिजाइन करने में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ, स्कूल शिक्षा विभाग, आनंद विभाग, राज्य आनंद संस्थान, यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज टीम और अभा तकनीकी शिक्षा परिषद की मदद भी ली गई है।

बच्चों को आनंदित जीवन जीने की कला सिखाने के लिए सरकार ने यह निर्णय लिया है। इससे बच्चों में जीवन के प्रति अपना दर्शन विकसित होगा। उन्हें अपने आकलन के साथ सही-गलत का निर्णय करने में सुविधा होगी। मानसिक तनाव और डिप्रेशन से जुड़ी समस्याओं से बाहर निकलने में भी उनकी समझ बढ़ सकेगी।

- अखिलेश अर्गल
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
राज्य आनंद संस्थान मप्र